

सिटी ब्रीफ

पोषण ट्रैकर एप पर

डाटा हो रहा डिलीट

बरेली, अमृत विचार : अंगनबाड़ी कार्यक्रमों के लिए पोषण ट्रैकर मोबाइल एप पर शर्णी का सब बना हुआ है। तकनीकी खासियों के कारण एप में लाभार्थियों का डाटा डिलीट हो रहा है।

शिक्षकों पर भी समर्पण का समाधान हो रहा है। अंगनबाड़ी का सब बना हुआ है।

शिक्षकों को डाटा डिलीट हो रहा है। अंगनबाड़ी कार्यक्रमों को प्रतिविधि करने और अन्य गतिविधियों का डाटा एप पर फोड़ करना अनिवार्य किया गया है। जैसे सभी लाभार्थियों का बरेली प्रमाणीकण (फेस कैप्चरिंग) भी अनिवार्य किया गया है। इसके बाद डाइ-राम वितरण पर रोक है लेकिन फेस कैप्चरिंग प्रक्रिया प्रूरा करने के बाद कई बार डाटा एप से बदल डिलीट हो जाता है। जिला कार्यक्रम प्रभारी समाज कल्याण विभाग असीम अरुण ने दीप प्रज्ञवलित कर महोत्सव की शुरुआत की। असीम अरुण ने तकनीकी खासियों की जानकारी अवधारणा करना किया गया। दिवस के कुछ अन्य घटनाएँ भी इस तरह की शिक्षयों से आवाहन करना चाहिए।

सात साल पुराने फोन पर ले रहे काम

बरेली, अमृत विचार : बाल विकास एवं पूराहर विभाग ने कृती बाल विकास एवं पूराहर अंगनबाड़ी कार्यक्रमों को काम के लिए फोन दिया है। इन फोन में जारीगिंग के दौरान बैठी फोन जैसी खासियों सामने आ रुकी हैं। वहीं एप में डाटा फोड़ करने की प्रक्रिया शीमी है। फेस कैप्चरिंग होने के बाद कै-कैवली करते से पहले हमें यह सोचना होगा कि

आईएमए हाल में आयोजित 7वें विश्व हरेला महोत्सव में गैरव पुरुषकार से सम्मानित करते मुख्य अतिथि मंत्री असीम अरुण, डॉ. अरुण कुमार, गोपाल आर्य, कुलतारी प्रौ. कैथी सिंह और विश्व हरेला महोत्सव परिवार के पदाधिकारी।

प्रकृति संरक्षण से ही पापों का प्रायश्चित्त संभव : असीम अरुण

आईएमए हाल में धूमधान से मना सातवां विश्व हरेला महोत्सव, वृक्षांधन ऐली निकाल कर लोगों को निःशुल्क बांटे कॉटन बैग

कार्यालय संवाददाता, बरेली



रेला महोत्सव कार्यक्रम को महिलाओं ने सेत्या लेकर यादगार बनाया।

• अमृत विचार

अमृत विचार : विश्व हरेला महोत्सव परिवार की ओर से रविवार को आईएमए भवन के सभागार में सातवां विश्व हरेला महोत्सव आयोजित गैरव गार्या कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और जननवेणा का विस्तार करना रहा। आयोजन की शुरुआत वृक्षांधन ऐली और निःशुल्क कॉटन बैग वितरण से हुई।

मुख्य अतिथि राजमंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) समाज कल्याण विभाग असीम अरुण ने दीप प्रज्ञवलित कर महोत्सव की शुरुआत की। असीम अरुण ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के उत्सव के रूप में हरेला महोत्सव के जरिये प्रकृति संरक्षण की अलख जाने के लिए उत्तराखण्ड समाज बधाई का पात्र है। दिल्ली में औसतन 28 पेड़ ही हैं। दिल्ली में महानारों में स्थिति और भी गर्भांग है, जहां तीन विद्यार्थी को चयनित कर उस नियांत्रित क्षेत्र में बंदर समेत अन्य पशुओं को स्वच्छ दिवार के लिए छोड़ देना चाहिए। ऐसा करने मात्र से ही प्रकृति के प्रति जाने-अन्जने में किए गए पापों का प्रायश्चित्त किया जा सकता है।

अखिल भारतीय पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के संयोजक गोपाल आर्य ने कहा कि भारत माता की जय बोलने के बाद एक बैठक होने की बाब्द-कैवली करते

समय कई बार डाटा डिलीट हो जाता है।

आईएमए हाल में आयोजित 7वें विश्व हरेला महोत्सव में गैरव पुरुषकार से सम्मानित करते मुख्य अतिथि मंत्री असीम अरुण, डॉ. अरुण कुमार, गोपाल आर्य, कुलतारी प्रौ. कैथी सिंह और विश्व हरेला महोत्सव परिवार के पदाधिकारी।

जिस भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा गया, आज वहां पेड़ों की संख्या कितनी रह गई है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रति व्यक्ति 420 पेड़ होने वाली हैं, जबकि वर्तमान में देश में औसतन 28 पेड़ ही हैं। दिल्ली में महानारों में स्थिति और भी गर्भांग है, जहां तीन विद्यार्थी को चयनित कर उस नियांत्रित क्षेत्र में बंदर एक पेड़ है। बरेली में भी प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या अपेक्षा से बहुत कम है। भगवान कृष्ण के जीवन से हमें पर्यावरण संरक्षण का विशेष संदेश के अनुसार प्रति व्यक्ति के अन्तर्गत करने की आवश्यकता है।

भगवान कृष्ण के जीवन से हमें पर्यावरण संरक्षण का विशेष संदेश यामुना को प्रूरित करने वाले कलिया नाम का दमन किया था। यह केवल धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि जल प्रदूषण और जल संरक्षण के महत्व का प्रतीक है।

इन्हें विशेष सम्मान दिया गया

महोत्सव के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले व्यक्तियों को बरेली गैरव सम्मान से नवाजा गया। इसमें महापौर डॉ. उमेश गोपाल को उदयमान नेतृत्व समाज, सर्वेद्र विधायिका को लोक-नीति भारत महिला संश्करितकरण समाज, प्रौ. सुमित्रा कुमारी को महिला शिक्षा व सशक्तिकरण के लिए, घरशयम खेड़ेलवाल (घरयरमन बैल एप्ल एप्ल) को उद्यमिता और रोजगार सुन्न द्वेष सम्मानित किया गया। शिक्षा और विकास में योगदान के लिए अदित्य मुर्ति व रामेश अग्रवाल, समाजसेवा के लिए योगेश पटेल बॉल्ड प्रमुख भूजीपुरा और नीता कुमारीशया, कृषि क्षेत्र में डॉ. विकास वर्मा, जबकि युगा प्रेरणा के लिए शुभन पाठकों को यूग आइकन अवार्ड प्रदान किया गया।

जिस भारत को 'सोने की चिड़िया'

कहा गया, आज वहां पेड़ों की संख्या कितनी रह गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार प्रति व्यक्ति 420 पेड़ होने वाली हैं, जबकि वर्तमान में देश में औसतन 28 पेड़ ही हैं। दिल्ली में महानारों में स्थिति और भी गर्भांग है, जहां तीन विद्यार्थी को चयनित कर उस नियांत्रित क्षेत्र में बंदर एक पेड़ है। बरेली में भी प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या अपेक्षा से बहुत कम है। भगवान कृष्ण के जीवन से हमें पर्यावरण संरक्षण का विशेष संदेश यामुना को प्रूरित करने वाले कलिया नाम का दमन किया था। यह केवल धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि जल प्रदूषण और जल संरक्षण के महत्व का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में भारत जलशय प्रदूषण से ज़्यादा रहे हैं, तब हर स्तरकार ने इसरों और नासा के सहयोग नागरिक को कृष्ण की अवश्यकता है। कथा के अनुसार कृष्ण ने यामुना को प्रूरित करने वाले कलिया नाम का दमन किया था। यह उपग्रह दिन-रात, सिंह ने कहा कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

कृष्ण और वानिकी क्षेत्र में उपयोगी कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति गोपा. कैथी सिंह और विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

कृष्ण और वानिकी क्षेत्र में उपयोगी कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति गोपा. कैथी सिंह और विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

कृष्ण और वानिकी क्षेत्र में उपयोगी कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति गोपा. कैथी सिंह और विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

कृष्ण और वानिकी क्षेत्र में उपयोगी कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति गोपा. कैथी सिंह और विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

कृष्ण और वानिकी क्षेत्र में उपयोगी कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति गोपा. कैथी सिंह और विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

कृष्ण और वानिकी क्षेत्र में उपयोगी कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति गोपा. कैथी सिंह और विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

कृष्ण और वानिकी क्षेत्र में उपयोगी कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति गोपा. कैथी सिंह और विशेषज्ञ से विशेष संदेश के अनुसार तरह-तरह करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि इस पर्व का वैज्ञानिक विशेषज्ञ से

